‘‘ट्रीज़ आउट साइड फॉरेस्ट्स फॉर उत्तर प्रदेश’’
पुस्तक का विमोचन

*भा.वा.अ.शि.प.–पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा दिनांक 12.02.2024 को माघमेला क्षेत्र में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रभागीय वन अधिकारी, प्रयागराज, महावीर कौजलगी, भा.व.से. ने केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तक **“ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट्स फॉर उत्तर प्रदेश”** का विमोचन किया। उन्होने अपने संभाषण में बताया कि केन्द्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार वन क्षेत्र के अतिरिक्त उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण से हरित क्षेत्रफल बढ़ाने हेतु प्रयत्नशील है, जिसमें यह पुस्तक सहायक होगी। पुस्तक में केन्द्र के वैज्ञानिक लेखकगण डॉ. संजय सिंह, डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों हेतु उपयुक्त 34 वृक्ष प्रजातियों की नर्सरी तकनीकों, उच्च गुणवत्ता युक्त पौध सामग्री, पौधारोपण तकनीक, आर्थिकी तथा विपणन सम्बन्धी जानकारी दी है। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि कृषकों और वृक्ष उत्पादकों को क्षेत्र विशेष हेतु वृक्ष प्रजातियों के लाभप्रद विकल्प उपलब्ध कराने का केन्द्र का प्रयास रहता है। यह पुस्तक उसी की एक कड़ी है। गैर वन भूमि पर वृक्षारोपण होने से आर्थिक लाभ के साथ–साथ पर्यावरण सुधार भी सुनिश्चित होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा उत्तर प्रदेश क्षेत्र के लिए पॉपलर के उपयुक्त क्लोनो की जानकारी दी गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा उत्तर प्रदेश क्षेत्र हेतु उपयुक्त बाँस प्रजातियों तथा क्षेत्र में अगर वृक्षों के स्थापन पर प्रकाश डाला गया। शिविर में आयोजित विभिन्न प्रतियोगिताओं में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनुभा श्रीवास्तव द्वारा किया गया। कार्यक्रम का सफल संचालन सांचली वर्मा, परियोजना अनुसंधान सहायक द्वारा किया गया। कार्यक्रम में केन्द्र की वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. कुमुद दूबे, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार तथा शोध छात्र–छात्राओं के साथ विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकगण तथा विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।*

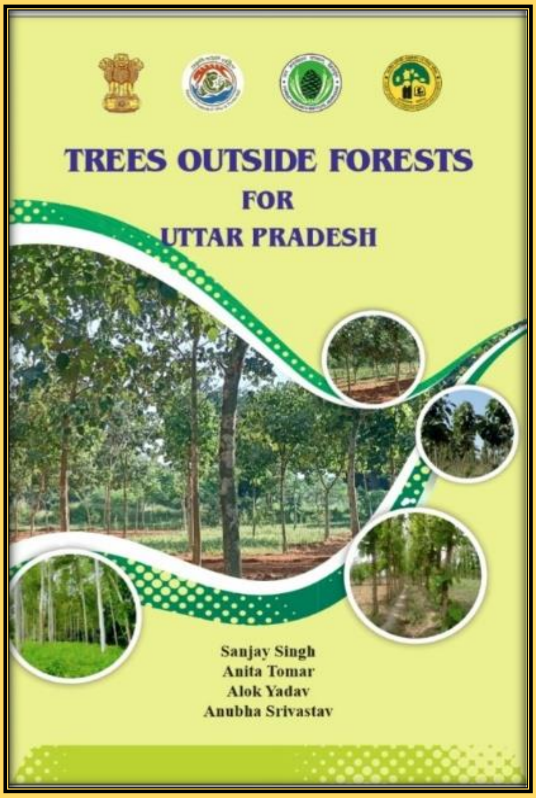

माघ मेला प्रयागराज-2024
वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर
दिनांक - 16 जनवरी से 15 फरवरी 2024
Bamboo for Flute
डॉ.अनीता तोमर
डॉ. संजय सिंह
आलोक यादव

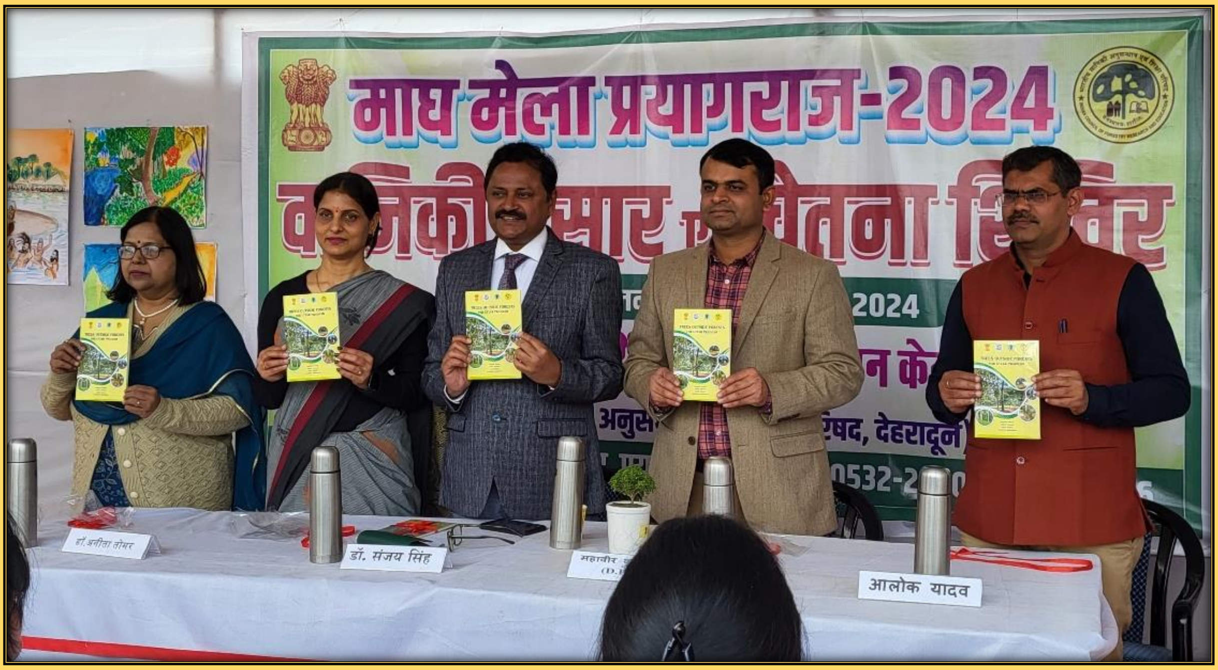
माघ मेला प्रयागराज-2024
डॉ.अनीता तोमर
डॉ. संजय सिंह
आलोक यादव

माघ मेला प्रयागराज-2024
वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर
दिनांक - 16 जनवरी से 15 फरवरी 2024
भा० वा० अ० शि० प० – पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज

ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट पुस्तक का हुआ विमोचन

प्रयागराज, वरिष्ठ संवाददाता। पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र की ओर से माघ मेला में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर का समापन समारोह सोमवार को आयोजित किया गया। शुभारम्भ मुख्य अतिथि प्रभागीय वन अधिकारी महावीर कौजलगी, केंद्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर के हाथों लिखी पुस्तक ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट का विमोचन कर किया। फोटोग्राफी प्रतियोगिता में राहुल निषाद, रूपम दास तथा राजदीप सरकार ने क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय, चित्रकला में सोनम एवं स्वाती प्रिया को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं क्विज प्रतियोगी टीमों में वन अनसंधान केन्द्र, प्रयागराज, इविवि, एसएस खन्ना महाविद्यालय, नेहरू ग्राम भारती विश्वविद्यालय, प्रयागराज को क्रमशः प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने के लिए पुरस्कृत किया गया।

धन्यवाद ज्ञापन वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ अनुभा श्रीवास्तव ने दिया। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ कुमुद दूबे, तकनीकी अधिकारी रतन गुप्ता, धर्मेन्द्र कुमार, अम्बुज कुमार, अशोक कुमार आदि मौजूद रहे।

Release of Trees Out Side Forest book

SPECIAL CORRESPONDENT

Prayagraj, Sanyam Bharat: Chief Guest at the closing ceremony of the Forestry Extension and Awareness Camp being run in the Maghamela area by the Ecological Restoration Centre, Prayagraj, Divisional Forest Officer, Prayagraj, Mahavir Kaujalgi, IAS released the book "Trees out side Forest in Uttar Pradesh" written by scientists of the Centre. He said in his speech that the Central and Uttar Pradesh governments are making efforts to increase the green area by planting trees in the available land in addition to the forest area, in which this book will be helpful. In the book, the authors Dr. Sanjay Singh, Dr. Anita Tomar, Alok Yadav and Dr. Anubha Srivastava gave information regarding nursery techniques, high quality planting material, plantation, economics and marketing of 34 tree species suitable for different agro-climatic zones of Uttar Pradesh. Is. Center head Dr. Sanjay Singh said that the Center tries to provide profitable options of tree species to the farmers and tree growers for a particular area. This book is a sequel to that. Planting trees on non-forest land will ensure economic benefits as well as environmental improvement. Senior scientist Dr. Anita Tomar gave information about suitable clones of poplar for Uttar Pradesh region. Senior scientist Alok Yadav highlighted the bamboo species suitable for Uttar Pradesh region and the establishment of agar trees in the area. The winners of various competitions organized in the camp were rewarded. The vote of thanks was given by senior scientist Dr. Anubha Srivastava. Senior scientist of the center Dr. Kumud Dubey, technical officers Ratan Gupta, Dharmendra Kumar and research students along with teachers and students of various colleges were present in the program.

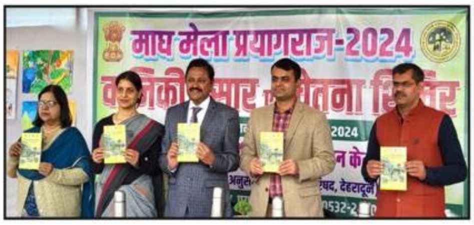

ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट पुस्तक का विमोचन

प्रयागराज। आज दिनांक 12.02.2024 को पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केन्द्र, प्रयागराज द्वारा

माघमेला क्षेत्र में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर के समापन समारोह में मुख्य अतिथि प्रभागीय वन अधिकारी, प्रयागराज, महावीर कौजलगी, भा.व.से., ने केन्द्र के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तक 'ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट इन उत्तर प्रदेश' का विमोचन किया। उन्होंने अपने संभाषण में बताया कि केन्द्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार वन क्षेत्र के अतिरिक्त उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण से हरित क्षेत्रफल बढ़ाने हेतु प्रयत्नशील है, जिसमें यह पुस्तक सहायक होगी। पुस्तक में लेखकगण डॉ. संजय सिंह, डॉ. अनीता तोमर, आलोक यादव तथा डॉ. अनुभा श्रीवास्तव ने उत्तर प्रदेश के विभिन्न कृषि जलवायु क्षेत्रों हेतु उपयुक्त 34 वृक्ष प्रजातियों की नर्सरी तकनीकों उच्च गुणवत्ता की पौध सामग्री, पौधारोपण, आर्थिकी तथा विपणन सम्बन्धी जानकारी दी है। केन्द्र प्रमुख डॉ. संजय सिंह ने कहा कि कृषकों और वृक्ष उत्पादकों को क्षेत्र विशेष हेतु वृक्ष प्रजातियों के लाभप्रद विकल्प उपलब्ध कराने का केन्द्र का प्रयास रहता है। यह पुस्तक उसी की एक कड़ी है। गैर वन भूमि पर वृक्षारोपण होने से आर्थिक लाभ के साथ-साथ पर्यावरण सुधार भी सुनिश्चित होगा। वरिष्ठ वैज्ञानिक डॉ. अनीता तोमर द्वारा उत्तर प्रदेश क्षेत्र के लिए पॉपलर के उपयुक्त क्लोनो की जानकारी दी गयी। वरिष्ठ वैज्ञानिक आलोक यादव द्वारा उत्तर प्रदेश

धर्मेन्द्र कुमार तथा शोध छात्र-छात्राओं के साथ विभिन्न महाविद्यालयों के शिक्षकगण तथा विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्शित करने की सूचना
(साधारण प्रारूप)

न्यायालय अपर प्रधान पारिवारिक न्यायाधीश, कक्ष सं0-2 इलाहाबाद।
भरण पोषण वाद सं0- 244 सन् 2023
श्रीमती अन्तिमा यादव उम्र लगभग 23 वर्ष पत्नी मनोज कुमार यादव पुत्री श्री श्याम लाल यादव वर्तमान निवासिनी-ग्राम मुनव्वर पुर पोस्ट मिण्डारा, थाना-नवाबगंज, जनपद-प्रयागराज।

...प्रार्थिनी

बनाम

मनोज कुमार यादव उम्र लगभग 26 वर्ष पुत्र श्री मैंकू लाल यादव, निवासी-पूरे घासी पोस्ट आनापुर, थाना-नवाबगंज, प्रयागराज।

.....विपक्षी

CITY BRIEFS

ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट पुस्तक का विमोचन

PRAYAGRAJ: पारिस्थितिक पुनर्स्थापन केंद्र प्रयागराज के माघ मेला क्षेत्र स्थित शिविर में चल रहे वानिकी प्रसार एवं चेतना शिविर का सोमवार को समापन हो गया. समापन समारोह में संस्थान के वैज्ञानिकों द्वारा लिखित पुस्तक "ट्रीज आउट साइड फॉरेस्ट उन उत्तर प्रदेश" का विमोचन किया गया. इस पुस्तक का विमोचन मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित प्रभागीय वन अधिकारी प्रयागराज, महावीर कौजलगी के द्वारा किया गया. अपने भाषण के दौरान उन्होंने बताया की केंद्र एवं उत्तर प्रदेश सरकार वन क्षेत्र के अतिरिक्त उपलब्ध भूमि में वृक्षारोपण से हरित क्षेत्रफल बढ़ाने हेतु प्रयत्नशील है. जिसमें यह पुस्तक सहायक सिद्ध होगी. इस पुस्तक को लिखने वाले वैज्ञानिकों में डॉ संजय सिंह, डॉ अनीता तोमर, आलोक यादव तथा डॉ अनुभा श्रीवास्तव के नाम शामिल है.